पुरे आलम मे फसाद की वजह गुनाह है और छोटे से छोटा गुनाह एटोम बोम से ज़्यादा खतरनाक है

हजरत मुफ्ती अहमद खानपूरी द.ब.

सूरे रूम, आयत 4 का तरजुमा

लोगो के और इन्सानो के करतूतो की वजह से ज़मीन और समंदरो मे खुश्की और तरीमे फसाद फेल गया खराबीयां ज़ाहिर और खुली हो गयी ये अल्लाह ने लोगो को उनके बाज़ करतूतो का मज़ा चखाया शायद के वो अपनी उन हरकतो से बाज़ आजाये.

पूरे आलम मे फसाद की वजह गुनाह

इन गुनाहो की वजह से पुरे आलम के अन्दर फसाद और अबतरी फैली हुयी है अल्लाह ने हज़रत आदम(अल) से लैकर हुज़ूर ﷺ तक अंबीयाए किराम(अल) का जो सिलसिला जारी फरमाया उस्का मकसद भी यही है लौगो को उन चीज़ो से वाकिफ किया जाये जिन मे अल्लाह की इताअत और फरमांबरदारी होती है और उन्को अल्लाह की इताअत और फरमांबरदारी के लिये आमदह किया जाये उकसाया जाये और उन चीज़ो से भी वाकिफ किया

जाये जिस मे अल्लाह की मासीय्यत और नाफरमानी होती है और उन्से उन्को रौका जाये कुर्आन मे भी अल्लाह ने अगली उम्मतो के वाकिआत और उन्की नाफरमानी पर अल्लाह की तरफ से जो सजाए दी गयी उन्का तफसील से ज़िक्र किया है.

आमाल की भी खासीयते है

अल्लाह ने जिस तरह चीज़ो मे खासीय्यते रखी है हर चीज़ का एक अलग खास असर होता है कोई आदमी ज़हर खालेगा तो उस्की वजह से उस्की मौत हो जाये और उसी तरह से मुख्तलिफ चीज़े जो हम इस्तेमाल करते है डाकटरों हकीमों और तबीबोंने बता रखा है के फला चीज़ के खाने से फायदा या नुकसान की शकल मे ये असर ज़ाहिर होता है उन चीज़ो के खवास तो वो है जो डोकटरोने अपनी तहकीक के बाद बतलाये है हो सकता है के उस्मे उन्की गलती हुवी हो और जो खवास उन्होने बतलाये है वो किसी मौका पर वुजूद मे न आये लेकिन आमाल के जो खवास हज़राते अंबीया(अल) बतलाया करते है उनमे गलती का इमकान ही नही.

अल्लाह ने हज़राते अंबीया(अल) को भेजा ही इसलिये ताके वो लोगो को बतलायें के कौन से आमाल करने है और

किन से बचना है ताके अल्लाह ने जिन आमाल को करना पसंद फरमाया है लौग उन्को करें और जिन चीज़ो से अल्लाह ने बचने का हुकम दिया है लौग उन्से अपने आपको बचायें.

और हज़राते अंबीया(अल) का मिशन उन्की पूरी ज़िन्दगी का मकसद यही होता है के वो लोगो को अल्लाह की तरफ दावत देकर उन्का ताल्लुक अल्लाह की ज़ात के साथ काइम करे और जोडें और उन्को बतलायें के भाई देखो तुम अल्लाह की नाफरमानीयों से बाज़ आ जावो. (तिरमिज़ी, मिश्कात)

छोटे से छोटा गुनाह एटोम बोम से ज़्यादा खतरनाक है

नाफरमानी और गुनाह ये बहुत ही खतरनाक चीझ है एटोम बोम और हाइडरोजन बोम उतना खतरनाक नही जितना के छोटे से छोटे गुनाह खतरनाक है इसलीये के एटोम बोम और हाइडरोजन बोम से ज़्यादा से ज़्यादा नुकसान अगर होगा तो दुन्यावी एतेबार से होगा लेकिन गुनाह के नतीजे मे आदमी अल्लाह से दूर हो जाता है और अल्लाह की नाराज़गी और उस्के गज़ब का ज़रीया बन जाता है इसलीये ज़रूरत इस बात की है के हम अपने आपको अल्लाह की नाफरमानी से बचाये हुज़ूर صلى الله عليه وسلم ने भी उम्मत को उसकी तरफ मुतवज्जे फरमाया के अल्लाह के

अहकाम को बजा लाया जाये और जिन चीझो से रोका गया उनसे बचा जाये अगर ऐसा नही होगा तो फिर अल्लाह की तरफ से पकड होगी.
अल्लाह दुन्या मे बदला नही देंगे बदला तो आखिरत ही मे देंगे आखिरत इसी लिये रखी है लेकिन उस्के बावुज़ूद बन्दो की तरफ से जब कोई गुनाह ज़्यादा होने लगते है तो तम्बीह के तौर पर और उन्की आंखे खोलने के लिये इबरत के वास्ते अल्लाह की तरफ से कभी उस्का थोडा सा असर बतला दिया जाता है.
हकीकत तो ये है के जो वहा पेश आने वाला है उस्का हम और आप अंदाज़ा और खियाल नही कर सकते वो असल बदला होगा किसी भी नेक काम का अच्छा बदला और किसी भी गुनाह की असल सज़ा जो भी होने वाली है वो वहा होगी यहा दुन्या मे अल्लाह बदला नही देते अलबत्ता इबरत के लिये तम्बीह के तौर पर कभी कभी उस्की तरफ से लोगो को मुतवज्जेह कर दिया जाता है ताके लोग अपनी हरकतो से बाज़ आ जायें.
जैसे बेटा जब नाफरमानी करने पर उतर आता है तो बाप भी कभी कभी तम्बीह के लिये कुच्छ कर देता है ताके वो फिर इतात और फरमाबरदारी की तरफ लौट आये आज-

कल जो ज़लज़ले पेश आते है वो अल्लाह की तरफ से तम्बीह के लिये ज़ाहिर किये जाते है और ये कोई मामूली चीझ नही है.
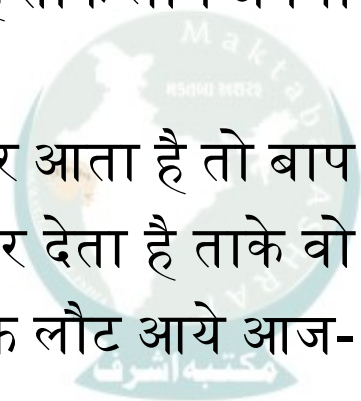
मस्नदे अहमद की एक रिवायत है किसीने आइशा(रदी) से सवाल किया ज़लज़ला कयूं आता है? उन्होने जवाब मे फरमाया जब लोग गुनाह को जाइज़ काम समझ कर करने लगते है शराबे पीते है और गाने बजाने के साधन मे मशगूल होते है तो आस्मान के उपर अल्लाह को गैरत आती है और अल्लाह तआला ज़मीन को हुकम देते है के उनको हिला डाल उस्के नतीज़े मे ज़मीन हरकत मे आती है और ज़रा सी देर मे लोग इधर से उधर हो जाते है और चन्द सेकन्डो के अन्दर बडी से बडी हलाकत दुन्या मे फेलती है.

यहा तो ज़लज़ला आता है तब भी हमारी आंखे नही खुलती और हुजूर صلى الله عليه وسلم का हाल तो ये था के बादल देखते थे या हवा ज़रा सी तेज़ हो जाती थी तो आप के चेहरे अनवर के उपर घभराहट के आसार ज़ाहिर होने लगते थे.

बुखारी की रिवायत है आइशा(रदी) फरमाती है के हुजूर صلى الله عليه وسلم से पूछा गया अल्लाह के रसूल صلى الله عليه وسلم कया बात है लोग तो जब बादल को देखते है तो खूश होते है के बारिश आयेगी और आपको देखा जाता है के बादल को आता हूवा देखकर आप

पर घभराहट की केफीयत तारी होती है? हुजूर ﷺ ने फरमाया कया मालूम के ये बादल कया लेकर आया है?
गुनाहो के ये काम अगर इन्फीरादी तौर पर इक्का दुक्का आदमी करे तो उस्पर अल्लाह की तरफ से कोई अज़ाब उमूमी शकल मे नही आता उमूमी तौर पर पकड उसी वकत होती है जब के ये गुनाह कसरत से होने लागे और आम शकल मे होने लागे और ऐसे आम और खुले बन्दो के सामने उस्को किया जाये के कोई उस्को रोकने वाला उस्पर तम्बीह करने वाला और टोकने वाला मौजूद न हो अगर रोक ने टोक का ये सिलसिला बन्ध हो जायेगा तो फिर अल्लाह की तरफ से इस दुन्या मे भी उस तरह के अज़ाब लागू किये जाते है.
हुजूर ﷺ फरमाते है के ज़िना करने वाला जब ज़िना कर रहा होता है तो वो मोमिन नही होता, चोरी करने वाला जिस वकत चोरी कर रहा होता है वो इमान मे नही होता, शराब पीने वाला जिस वकत शराब पी रहा होता है वो इमान मे नही रेहता. (तिरमिज़ी, मिश्कात)

हवाला- महमुदुल मवाईज उर्दु से रिवायत का खुलासा लिप्यान्तर किया गया है.